# समर प्राइम

www.summerexpress.in

5 जून 2026

समर एक्सप्रेस


# साक्षात्कार : पंजाब को भाजपा ही दलदल से निकाल सकती है : चुघ

समर न्यूज़ पॉडकास्ट

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

**समर न्यूज के संपादक तपिन मल्होत्रा ने पंजाब से भाजपा के वरिष्ठ नेता तरुण चुघ जो भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव भी हैं, से पंजाब में आगामी विधानसभा के संदर्भ में बातचीत की। इस साक्षात्कार के दौरान उनके तीखे प्रश्नों के तरुण चुघ ने सधे हुए जबाव दिये। प्रस्तुत हैं इस साक्षात्कार के मुख्य अंश**

■ **प्रश्नः** चुघ साहब, भाजपा ने अब नारा दिया है बंगाल के बाद पंजाब। इसको लेकर जमीनी स्तर पर कितनी तैयारी है?

■ **उत्तरः** पंजाब का दिल जीतने के लिए भाजपा ने पंजाब के लोगों से संपर्क बढ़ाया है। पंजाब आज गैंगस्टरवाद, रंगदारी, ड्रग्स, कालाबाजारी और भ्रष्टाचार की पूरी दलदल में फंसा हुआ है। आज पंजाब के हर तरफ से आवाज आ रही है कि पंजाब जिन दलदलों में फंस चुका है, अगर उसे कोई निकाल सकता है तो भारतीय जनता पार्टी निकाल सकती है।

■ **प्रश्नः** मुख्यमंत्री साहब, उनके मंत्री, यही कहते हैं कि अकाली-भाजपा की सरकार के समय ये बीज बोए गए थे। फिर कांग्रेस ने उन्हें संरक्षण दिया और अब हम उसके कांटे निकाल रहे हैं।

■ **उत्तरः** आप सरकार को पंजाब में 53 महीने हो गए। ऐसे कौन से कांटे इन्होंने निकाले हैं, कोई एक कांटा दिखा दें। मुझे बताएं कि पिछले दस सालों में किसी पुलिस स्टेशन पर ग्रेनेड अटैक हुआ हो। अपनी नालायकी, अनुभवहीनता और नाकामी को छिपाने के तरीके मत ढूंढिए। जनता जवाब मांग रही है। पुलिस मुख्यालय पर रॉकेट लॉन्चर से हमला हो रहा है। जबकि सत्तापक्ष के नेता बम धमाकों के पीछे के लोगों को पकड़ने और उनके पीछे की ताकतों तक पहुंचने के बजाय आरोपों की राजनीति कर रहे हैं। आप उसे छिपाएंगे या बीमारी का इलाज करेंगे?

■ **प्रश्नः** आरोप तो यह भी लगते हैं कि भाजपा एजेंसियों का इस्तेमाल करती है, जहां सरकार बनानी होती है वहां दबाव बनाया जाता है। क्या भाजपा ने अब पंजाब में सरकार बनाने की ठान ली है?

■ **उत्तरः** भाजपा ने पंजाब की जनता की सेवा, पंजाब की जनता की सुरक्षा, पंजाब को भयमुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का फैसला कर लिया है, इसमें कोई दो राय नहीं है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ से पहले जालंधर के बीएस चौक में बम धमाका होता है। अमृतसर कंटोनमेंट में बम धमाका होता है। डीजीपी कह रहे हैं कि आईएसआई करा रही है, जबकि मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि भाजपा करा रही है। क्या मुख्यमंत्री के पास डीजीपी से ज्यादा खुफिया जानकारी है? अगर है तो वे स्रोत बताएं। पंजाब में हालात ऐसे हो गए हैं कि मोहाली में आकर रॉकेट लॉन्चर से पुलिस मुख्यालय पर हमला किया जाता है। ऐसा सर्कुलर जारी करना पड़ रहा है कि पुलिस जवान वर्दी पहनकर न घूमें।

■ **प्रश्नः** अगर पंजाब में सीमा पार से हथियार और गोला-बारूद आ रहा है, धमाके हो रहे हैं और कहा जा रहा है कि सब पाकिस्तान से आ रहा है, तो एजेंसियां क्या कर रही हैं?

■ **उत्तरः** सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं, लेकिन यह वही सरकार है जो कहती है कि बीएसएफ आगे न बढ़े। सरकार की मानसिकता देखिए। एक चीज एक शहर से दूसरे शहर तक यात्रा कर रही है, टिफिन बम पहुंच रहा है, ग्रेनेड पहुंच रहा है। उसे पकड़ना किसका काम है?

■ **प्रश्नः** क्या आपको लगता है कि पंजाब का पुलिस तंत्र पूरी तरह फेल है?

■ **उत्तरः** जिस पुलिस जवान को अजनाला में मारा गया और मारते समय वीडियो बनाया गया, उसे सोशल मीडिया पर ऑनर के रूप में दिखाया गया। उससे पहले सीमा के पास दो पुलिस जवान मारे गए और उसकी भी वीडियो जारी हुई। यह पंजाब में क्या हो रहा है? अगर कोई पकड़ा भी गया तो सभी उसकी लीपापोती में लगे हुए हैं। भगवंत मान साहब, पंजाब बॉर्डर स्टेट है, संवेदनशील राज्य है। यह चुटकुलों से नहीं चलेगा। आपको एक्शन से सुरक्षा करनी पड़ेगी।

■ **प्रश्नः** पंजाब में आप सरकार के सिर्फ छह-आठ महीने ही बचे हैं। अगर भाजपा आती है तो पंजाब में कानून-व्यवस्था कैसे ठीक करेगी?

■ **उत्तरः** पंजाब की जनता "बाय-बाय भगवंत मान, बाय-बाय केजरीवाल" कहने और उन्हें फेयरवेल पार्टी देने के लिए तैयार बैठी है। मेरे पास पूरा रोडमैप है और मेरी पार्टी के पास भी पूरा रोडमैप है।

■ **प्रश्न :** पंजाब में भाजपा को आरएसएस और हिंदू सोच वाली पार्टी कहा जाता है। क्या पंजाब की जनता इस सोच के बावजूद आपको वोट देने के लिए तैयार है?

■ **उत्तरः** पंजाब में भारतीय जनता पार्टी आज पहली पसंद है। आज अगर धर्मांतरण पर कोई बोल रहा है, अगर कोई गुरुओं की सोच पर काम कर रहा है, तो वह भारतीय जनता पार्टी है। जिन गुरुओं ने सिंह सजाए, उन्होंने बलिदान दिया लेकिन धर्म परिवर्तन नहीं किया। हम बचपन से साहिबजादों की शहादत की कहानियां सुनते आए हैं। उनकी शहादत किसलिए हुई? आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में वीर बाल दिवस मनाने की शुरुआत की है। कन्याकुमारी हो, अंडमान-निकोबार हो या कश्मीर का कोई स्कूल, देश के हर कोने में उस दिन साहिबजादों के बलिदान की कहानी बच्चों को सुनाई जाती है, ताकि उन्हें प्रेरणा मिल सके।

मैं आपके माध्यम से भगवंत मान साहब से पूछना चाहता हूं कि आपने सरकार में आने से पहले कहा था कि कृषि क्रांति आएगी। मैं आपके चैनल पर खुली बहस के लिए तैयार हूं। अपनी कुर्सी उन्हें दे दूंगा, खुली बहस कर लें कि उनके 53 महीने की सरकार ने खेती के लिए क्या किया?

■ **प्रश्नः** पंजाब का किसान भाजपा पर क्यों भरोसा करें?

■ **उत्तरः** सबसे बड़ा कारण यह है कि लाखों किसानों को सम्मान निधि का पैसा सीधे उनके खातों में आ रहा है। आज गेहूं और धान का दाना-दाना नरेंद्र मोदी सरकार खरीद रही है और पैसा सीधे किसान के बैंक खाते में जा रहा है। अगर हमारी सरकार आएगी तो हम हरियाणा मॉडल पर 21 की 21 फसलों पर एमएसपी देंगे।

■ **प्रश्नः** भाजपा का ग्राफ पहले से पंजाब में बेहतर हुआ है, लेकिन सरकार बनाने के लिए अभी लंबा रास्ता है। कांग्रेस के समय दरबार साहिब पर हमला हुआ, फिर भी पंजाब में उसकी छवि बुरी नहीं जबकी भाजपा ने कुछ किया भी नहीं, फिर भी उसकी छवि नफरत भरी क्यों है?

■ **उत्तरः** आप कांग्रेस को सर्टिफिकेट क्यों दे रहे हैं? आज कांग्रेस की स्थिति यह है कि जब से सज्जन कुमार जेल गया है, कांग्रेसी नेता एक-दूसरे से पूछते हैं कि क्या हम उसी पार्टी में हैं जिस पर सिख कत्लेआम के आरोप लगते रहे? उस पार्टी ने 52 शहरों में सिखों को जिंदा जलाया और कई शहरों को श्मशान घाट बना दिया। फाइलें दबाकर रखी गईं। 2014 तक हमने आयोग बनाया, फाइलें खुलीं और आज सजाएं हो रही हैं। सज्जन कुमार जेल में है। आज भी जगदीश टाइटलर कांग्रेस का नेता है। वह कांग्रेस कमेटी का सदस्य है। कमलनाथ को लेकर भी आरोप लगे। वह कमलनाथ भी कांग्रेस का नेता है। प्रताप सिंह बाजवा, राजा वड़िंग, रंधावा साहब भी उसी पार्टी के नेता हैं। पहले लोग कहते थे कि ये आरोप झूठे हैं, लेकिन अब अदालतों में साबित होने लगा है। जिन लोगों ने सिखों के खिलाफ अपराध किए, उन्हें जेल भेजा जा रहा है। पंजाब की जनता माफ करेगी? नहीं करेगी। भाजपा ने हरियाणा और दिल्ली में एक भी ऐसा सिख परिवार नहीं छोड़ा जिसकी एप्लिकेशन हो और जिसे सिख कत्लेआम में मारे गए परिवार के सदस्य की नौकरी न मिली हो।

■ **प्रश्नः** क्या आपको लगता है कि इस बार पंजाब में कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिया जाएगा?

■ **उत्तरः** लोग सड़कों पर खड़े होकर पूछेंगे कि छिंदवाड़ा क्यों जला था, कानपुर किसने जलाया था, दिल्ली की सड़कों को किसने लाल किया था, झारखंड में वोटर लिस्ट पकड़कर एक-एक सिख को घरों से निकालकर किसने जलाया था। लोग भूले नहीं हैं। अब लोग याद करेंगे और जवाब मांगेंगे। आज कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों का चेहरा पंजाब में सिख विरोधी है। अकाल तख्त हमारे लिए बहुत सम्माननीय है। आम आदमी पार्टी के बारे में सिख विद्वान कह रहे हैं कि इन्होंने कानून बनाने से पहले किसी सिख संस्था को भरोसे में ही नहीं लिया। आज अकाल तख्त आंदोलन चलाने के लिए सामने आ रहा है।

■ **प्रश्नः** सरकार कह रही है कि अकाल तख्त पर बैठे लोग सुखबीर बादल द्वारा लगाए गए हैं। मान सरकार के राज में पंजाब में आगे बढ़ रहा है, विपक्ष हताशा में ब्यानबाजी कर रहा है।

■ **उत्तरः** अगर जत्थेदार कुछ कह रहे हैं और खालसा विद्वान बैठे हैं, तो क्या फुल्का साहब को सुखबीर बादल ने लगाया? क्या बीबी किरणजोत कौर को सुखबीर बादल ने लगाया? वे लोग भी आकर कह रहे हैं कि भगवंत मान की सरकार ने गलत किया है। सिखी की आवाज हर गुरुद्वारे, हर गांव और हर घर से आ रही है। पंजाब में इन्होंने कहा था कि स्वास्थ्य क्रांति लाएंगे। मैं आपके चैनल पर पूछना चाहता हूं कि भगवंत मान साहब बताएं, उन्होंने पंजाब में कितने मेडिकल कॉलेज बनाए, कितने अस्पताल बनाए, कितने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनाए? एक भी नहीं। कितने लोगों को 10 लाख का बीमा दिया? एक भी नहीं। आज की तारीख में 53 महीने में पंजाब का एक व्यक्ति भी आकर यह कहे कि मुझे पांच या दस लाख रुपये का इंश्योरेंस मिला है? कोई नहीं। नरेंद्र मोदी पंजाब में स्वास्थ्य क्रांति लेकर आए। दो पीजी सेंटर किसने खोले? एम्स का सेंटर किसने खोला? प्रधानमंत्री मोदी ने दो मेडिकल कॉलेज दिए, सैकड़ों करोड़ रुपये दिए, लेकिन ये लोग नींव पत्थर तक नहीं रख पाए। आज मोदी जी ने मोहाली में कैंसर का टाटा इंस्टीट्यूट खोला। मैं भगवंत मान साहब से पूछना चाहता हूं कि आपकी स्वास्थ्य क्रांति कहां है?

■ **प्रश्नः** क्या आपको लगता है कि जैसे दिल्ली में आम आदमी पार्टी बैकफुट पर चली गई, वैसे ही पंजाब में भी होगा?

■ **उत्तरः** पंजाब में उससे भी बुरी तरह होगा। मेरी बात लिख लेना, यह पार्टी दो अंकों तक नहीं पहुंचेगी। लोगों के मन में आक्रोश है और लोकतंत्र में लोग अपना आक्रोश वोट से जाहिर करते हैं। ।

■ **प्रश्नः** क्या इस बार आपकी लड़ाई सिर्फ आम आदमी पार्टी से है?

■ **उत्तरः** बाकी सभी दल दूसरे-तीसरे नंबर पर हैं। पंजाब की जनता का आशीर्वाद भारतीय जनता पार्टी को नंबर एक पर लाने वाला है।

■ **प्रश्नः** अकाली दल के साथ आपकी कोई साझेदारी रहेगी?

■ **उत्तरः** हम 117 सीटों की तैयारी कर रहे हैं।

■ **प्रश्नः** सुखबीर बादल को आप इस समय कैसे देखते हैं?

■ **उत्तरः** वे सपना देख रहे हैं। तीनों पार्टियां सपना देख रही हैं। अकाली दल के साथ हम छोटे भाई की भूमिका में थे, 20 पैसे के भाई की तरह। हमारे विभाग बहुत छोटे थे। लेकिन आज लोग यह देख रहे हैं कि राज्य को ड्रग्स, गैंगस्टर और रंगदारी से कौन मुक्त कर सकता है। भाजपा मॉडल ऐसा कर सकता है।

■ **प्रश्नः** जिस सिंगर को आप ब्रांड एंबेसडर बना रहे हैं, लोग उन पर भी शराब को प्रमोट करने के सवाल उठ रहे हैं।

■ **उत्तरः** पंजाबी गायक हनी सिंह आज एक उदाहरण है कि अगर मैं छोड़ सकता हूं तो पंजाब के नौजवान बेटे भी छोड़ सकते हैं। हनी सिंह ने वादा भी किया है कि अब वह शराब वाले गाने नहीं गाएंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने आठ साल से शराब नहीं पी है, छोड़ दी है।

# अमेरिका में किशोरी की मौत मामले में भारतीय गिरफ्तार

एजेंसी। वॉशिंगटन

अमेरिका में हुए सड़क हादसे में एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। घटना में उसकी गर्भवती किशोरी साथी की मौत हो गई। पीड़िता की मां ने स्थानीय अधिकारियों से आरोपी के देश से निर्वासन की मांग की है। आरोपी कथित तौर पर तेज़ गति से गाड़ी चला रहा था, जिसके कारण कंट्रोल खो गया और गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने शराब या ड्रग्स के प्रभाव में होने का कोई संकेत नहीं दिया, लेकिन उसकी सड़क नियम उल्लंघन की पुष्टि की गई है। पुलिस ने आरोपी को अंतरिम जमानत पर नहीं छोड़ा। पीड़िता की मां ने आपराधिक मुकदमा के साथ-साथ अमेरिकी इमिग्रेशन विभाग से आरोपी के देश निकाले जाने की मांग की है। पीड़िता के परिवार ने कहा कि यह सिर्फ व्यक्तिगत दुःख नहीं बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा का मुद्दा है। परिवार ने न्याय की मांग करते हुए कहा कि सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अमेरिकी कानून के अनुसार, सुपरवाइज्ड कोर्ट प्रक्रिया के बाद ही इमिग्रेशन के माध्यम से देश निकाला जा सकता है। इस मामले में अंतरराष्ट्रीय नागरिक होने के कारण अतिरिक्त कानूनी और कूटनीतिक पहलू जुड़ गए हैं। भारतीय दूतावास ने अभी तक आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान करने की पुष्टि की है। यह मामला केवल एक सड़क हादसे तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कानूनी, सामाजिक और अंतरराष्ट्रीय पहलुओं का मिश्रण है। पीड़िता की मां की मांग पर कोर्ट और इमिग्रेशन विभाग की कार्रवाई पर अब सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। आगामी सुनवाई में आरोपी की कानूनी भविष्यवाणी और संभवतः निर्वासन प्रक्रिया तय होगी।

**बादल परिवार की सियासी अग्निपरीक्षा**

# क्या सुखबीर-मजीठिया-हरसिमरत की तिकड़ी अकाली दल को फिर खड़ा कर पाएगी

## एक तरफ सत्ता से बाहर अकाली दल, दूसरी तरफ पंथक वोटों में बिखराव और तीसरी तरफ आम आदमी पार्टी का दबदबा

दलजीत विक्की | चंडीगढ़
समर न्यूज

पंजाब की राजनीति में एक समय ऐसा था जब अकाली दल का मतलब ही बादल परिवार माना जाता था। आज वही पार्टी अपने अस्तित्व की सबसे कठिन लड़ाई लड़ रही है। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल, वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया और सांसद हरसिमरत कौर बाद के इर्द-गिर्द घूम रही अकाली राजनीति 2027 विधानसभा चुनाव से पहले नए मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। 2022 विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक हार और उसके बाद लगातार घटते जनाधार ने अकाली दल को आत्ममंथन के लिए मजबूर किया है। पार्टी का पारंपरिक ग्रामीण सिख वोट बैंक अब कई हिस्सों में बंट चुका है। कुछ वोट आम आदमी पार्टी की ओर गए, कुछ कांग्रेस के साथ चले गए और कुछ पंथक संगठनों की तरफ झुक गए हैं। इसके अलावा अकाली दल के भीतर से निकले अलग-अलग गुटों ने भी पार्टी की ताकत को कमजोर किया है। सुखबीर बादल लगातार यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि पंजाब में कानून-व्यवस्था, नशाखोरी, बेरोजगारी और उद्योगों के पलायन जैसे मुद्दों पर मौजूदा सरकार विफल रही है। हाल के सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन्होंने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक ढांचे पर सवाल उठाते हुए खुद को मुख्य विपक्षी आवाज के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है।

दूसरी ओर बिक्रम सिंह मजीठिया फिर से अकाली दल के सबसे आक्रामक चेहरे के रूप में उभरे हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार, प्रशासनिक पक्षपात और राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप लगाए हैं। हाल के महीनों में उन्होंने कई मामलों में सरकार को घेरने की कोशिश की है, जबकि उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई और छापेमारी ने उन्हें अकाली कार्यकर्ताओं के बीच "संघर्षशील नेता" की छवि भी दी है। अकाली दल इस कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना बता रहा है जबकि सरकार इसे कानूनी प्रक्रिया करार दे रही है।

उधर हरसिमरत कौर बादल आज भी अकाली दल का सबसे स्वीकार्य राष्ट्रीय चेहरा मानी जाती हैं। केंद्र में मंत्री रहने का अनुभव, किसान आंदोलन के दौरान केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा और लगातार चौथी बार सांसद चुने जाने ने उन्हें पार्टी के लिए महत्वपूर्ण बनाया हुआ है। वर्तमान में वह लोकसभा में पार्टी की प्रमुख आवाज हैं और पंजाब के मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर उठाने की कोशिश कर रही हैं।

लेकिन अकाली दल की सबसे बड़ी चुनौती केवल चुनावी नहीं बल्कि नैतिक और राजनीतिक भी है। 2015 की बेअदबी घटनाएं और बेहबल कलां गोलीकांड आज भी पार्टी के विरोधियों का सबसे बड़ा हथियार बने हुए हैं। इन मामलों में न्यायिक प्रक्रिया लंबी खिंचने के बावजूद विपक्ष बार-बार इन्हें अकाली शासनकाल से जोड़कर उठाता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2027 का चुनाव अकाली दल के लिए केवल सत्ता वापसी का नहीं बल्कि राजनीतिक पुनर्जन्म का चुनाव होगा।

यदि सुखबीर बादल संगठन को एकजुट रखने, मजीठिया विरोधी राजनीति का सामना करने और हरसिमरत कौर की स्वीकार्यता को ग्रामीण पंजाब तक विस्तार देने में सफल रहते हैं तो अकाली दल फिर मुकाबले में लौट सकता है। लेकिन यदि पंथक वोटों का बिखराव जारी रहा और युवा मतदाता पार्टी से दूर रहे तो पंजाब की राजनीति में अकाली दल की भूमिका पहले जैसी निर्णायक नहीं रह पाएगी।

फिलहाल इतना तय है कि पंजाब की राजनीति में बादल परिवार अभी भी चर्चा के केंद्र में है।

सवाल केवल यह है कि क्या यह परिवार अकाली दल को फिर सत्ता के गलियारों तक पहुंचा पाएगा या 2027 का चुनाव पंजाब में एक नए राजनीतिक युग की पुष्टि करेगा।

**पेज 3 एंकर स्टोरी** | **सोशल मीडिया से संसद तक पहुंचा विवाद, दोनों देशों के लोग बता रहे अपनी सांस्कृतिक विरासत**

# आवारा कुत्ते को लेकर मेक्सिको और ब्राजील में 'नस्लीय जंग'

एजेंसी। ब्रासीलिया/मेक्सिको सिटी

आमतौर पर देशों के बीच विवाद सीमाओं, व्यापार या राजनीति को लेकर होते हैं, लेकिन इस बार बहस का केंद्र एक आवारा कुत्ता बन गया है। 'कैरामेलो डॉग' नाम से प्रसिद्ध मिश्रित नस्ल के कुत्ते को लेकर ब्राजील और मेक्सिको के बीच सोशल मीडिया पर दिलचस्प विवाद छिड़ गया है। दोनों देशों के नागरिक और पशु-प्रेमी इसे अपनी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा बता रहे हैं। कैरामेलो डॉग कोई आधिकारिक नस्ल नहीं है, बल्कि लंबे समय से प्राकृतिक रूप से विकसित हुआ मिश्रित नस्ल का कुत्ता है। विशेषज्ञों के अनुसार इसमें सैकड़ों नस्लों के आनुवंशिक गुण शामिल हैं। स्थानीय मीडिया और पशु संगठनों का दावा है कि यह कुत्ता शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अधिक दिखाई देने

वाले मिश्रित नस्ल के कुत्तों में शामिल है।

**सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस**

विवाद तब शुरू हुआ जब सोशल मीडिया पर कुछ पोस्टों में दावा किया गया कि कैरामेलो डॉग की लोकप्रियता केवल ब्राजील तक सीमित नहीं है और इसका स्वरूप मेक्सिको के कई स्थानीय आवारा कुत्तों से मिलता-जुलता है। इसके बाद हजारों लोगों ने तस्वीरें और वीडियो साझा कर अपने-अपने दावे पेश करने शुरू कर दिए। ब्राजील में कई पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने इसे देश की सड़कों पर सबसे आम और पहचान योग्य कुत्ता बताया। वहीं मेक्सिको के कुछ समूहों का कहना है कि इसी तरह के मिश्रित नस्ल के कुत्ते वहां भी दशकों से मौजूद हैं और उन्हें किसी एक देश की पहचान से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

### क्यों खास है कैरामेलो डॉग?

किसी एक शुद्ध नस्ल से जुड़ा नहीं। स्थानीय परिस्थितियों में आसानी से ढल जाता है। पशु संरक्षण अभियानों का प्रतीक बन चुका है। ब्राजील में इसे राष्ट्रीय पहचान का दर्जा देने की मांग भी उठ चुकी है। हालांकि यह विवाद फिलहाल सांस्कृतिक और प्रतीकात्मक स्तर तक सीमित है, लेकिन इसने एक बड़े मुद्दे की ओर ध्यान खींचा है- मिश्रित नस्ल के कुत्तों को भी संरक्षण और सम्मान मिलना चाहिए। सोशल मीडिया पर चल रही बहस ने कैरामेलो डॉग को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिला दी है। पशु विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी मिश्रित नस्ल के कुत्ते की असली पहचान उसके देश से अधिक उसके संरक्षण, स्वास्थ्य और मानव समाज के साथ उसके संबंधों में निहित होती है। कुल मिलाकर, एक साधारण आवारा कुत्ते ने दो देशों के बीच सांस्कृतिक चर्चा छेड़ दी है और दुनिया को यह याद दिलाया है कि पहचान की बहस कभी-कभी सबसे अप्रत्याशित जगहों से भी शुरू हो सकती है।

### वैज्ञानिक क्या कहते हैं?

पशु आनुवंशिकी विशेषज्ञों के अनुसार कैरामेलो डॉग किसी मान्यता प्राप्त शुद्ध नस्ल का प्रतिनिधित्व नहीं करता। यह विभिन्न नस्लों के लंबे समय तक हुए प्राकृतिक मिश्रण का परिणाम है। इसी कारण इसकी शारीरिक बनावट, आकार और रंग में क्षेत्रवार अंतर देखने को मिलता है। विशेषज्ञ यह भी बताते हैं कि ऐसे मिश्रित नस्ल के कुत्तों में आनुवंशिक विविधता अधिक होती है, जिससे कई बार उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी बेहतर मानी जाती है।

# महिला ने किया की छह वर्षों से आंखें बंद न होने का दावा

एजेंसी | नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर हाल के दिनों में एक महिला की आंखें छह वर्षों से बंद नहीं होने के दावे ने लोगों का ध्यान खींचा है। हालांकि चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे दावों को बिना वैज्ञानिक प्रमाण के स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

नेत्र रोग विशेषज्ञों के अनुसार कुछ दुर्लभ बीमारियों में मरीजों को आंखें पूरी तरह बंद करने में गंभीर कठिनाई हो सकती है, लेकिन लगातार कई वर्षों तक बिल्कुल आंखें न बंद होना अत्यंत असामान्य स्थिति मानी जाती है।

हाल ही में चिकित्सा साहित्य में एक महिला का मामला सामने आया, जिसमें 'फ्लॉपी आईलिड सिंड्रोम' के कारण वह आंखें पूरी तरह बंद नहीं कर पा रही थी।

डॉक्टरों ने जांच में पाया कि समस्या का संबंध स्लीप एपनिया से था। उपचार और जीवनशैली में बदलाव के बाद उसकी स्थिति में सुधार हुआ।

विशेषज्ञों का कहना है कि आंखों से जुड़ी ऐसी दुर्लभ समस्याओं का समय पर निदान बेहद जरूरी है। आधुनिक चिकित्सा में दवाओं, कृत्रिम आंसुओं, विशेष पट्टियों और जरूरत पड़ने पर सर्जरी के जरिए उपचार किया जाता है।

**विशेषज्ञों की सलाह**

डॉक्टरों का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति को सोते समय आंखें बंद करने में परेशानी, लगातार सूखापन या जलन महसूस हो रही हो, तो तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। सोशल मीडिया पर वायरल दावों की बजाय प्रमाणित चिकित्सकीय जानकारी पर भरोसा करना अधिक सुरक्षित है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जागरूकता और समय पर इलाज से अधिकांश नेत्र समस्याओं का समाधान संभव है।

Good DAY

समर न्यूज | लुधियाना

हर नई सुबह अपने साथ नई उम्मीदें, नए सपने और नई संभावनाएं लेकर आती है। आज का दिन आपके जीवन में खुशियां, सफलता और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आए। मुस्कुराते रहिए, आगे बढ़ते रहिए और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रयास करते रहिए।

**आरुषि ओसवाल**
**सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट**